इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

पूर्ण बगलामुखी शत्रुमर्दिनी प्रयोग

17 फरवरी, दुर्गाष्टमी व्रत

पूर्णता के रास्ते में **बाधाये** आती ही हैं.... सफलता और श्रेष्ठता के मार्ग में **शत्रु**, बाह्य या अन्तरिक, मिलते ही हैं... मिलने भी चाहिये... शत्रु वीरों के होते हैं, कायरों के नहीं, **मुर्दों के नहीं**...। यदि कोई शत्रु अकारण तकलीफ दे रहा हो, या आपकी **उन्नति में बाधायें** खड़ी कर रहा हो, जीवन शत्रु मय बना है। हम उन पर पूर्ण विजय प्राप्त करें... आप भी करिये यह प्रयोग और मिटा दीजिये अपने शत्रुओं का नामोनिशान... दस महाविद्याओं में से एक... जीवन की सर्वश्रेष्ठ साधना, एक अद्वितीय साधना।

अपूर्ण इच्छा पूर्ति प्रयोग

20 फरवरी, जया एकादशी

समस्त भौतिक और आध्यात्मिक जीवन में मानव के मन में इच्छाओं का होना स्वाभाविक है और इच्छायें होनी भी चाहिये। कई बार कुछ ऐसी इच्छायें होती हैं, जिनकी पूर्ति के लिये हम बहुत ही प्रयास करते हैं, फिर भी बात नहीं बन पाती। उस स्थिति में इस प्रयोग को अवश्य कर लेना चाहिये, जिससे अभीप्सित मनोवांछित लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

आर्थिक उन्नतिप्रद गणपति साधना

28 फरवरी, द्विजप्रिय चतुर्थी

भौतिक जीवन जीने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी वर्ग, आयु, जाति का हो, ऐश्वर्यवान होना चाहता है, धनवान होना चाहता है, सम्पन्न होना चाहता है। इस समाज में तब तक आपकी प्रतिष्ठा नहीं है, जब तक आप आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं है। जीवन की आवश्यकता है आर्थिक समृद्धि; सर्व विघ्न नाशक भगवान गणपति अपने साधक के जीवन के समस्त **विघ्नों का नाश** कर उसे आर्थिक समृद्धि और उन्नति प्रदान करते हैं। यह साधना साधक को धन, यश, कीर्ति, समृद्धि देने में समर्थ है। एक दुर्लभ, अद्वितीय, जीवन की अत्यन्त आवश्यक साधना इस बार आपके लिये।

पूर्ण गृहस्थ सुख सौभाग्य साधना

04 मार्च, जानकी जयन्ती

वे अत्यधिक सौभाग्यशाली होते हैं, जिन्हें पूर्ण गृहस्थ सुख प्राप्त होता है...क्योंकि गृहस्थ सुख धन-दौलत या किसी पद-प्रतिष्ठा से प्राप्त होने वाली वस्तु नहीं है, गृहस्थ सुख में यदि किसी कारणवश कोई **न्यूनता** आ गई हो और आपसी तालमेल का अभाव हो, परिवार में **कलहपूर्ण** स्थिति हो, असन्तोष का भाव हो तो इस अद्वितीय साधना के माध्यम से मुरझा गई इस प्रेम की बेल को पुनः हरा - भरा किया जा सकता है।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के हृदय में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।